राजस्थान बजट विश्लेषण

2025-26

राजस्थान की वित्त मंत्री सुश्री दिया कुमारी ने 19 फरवरी, 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए राजस्थान का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी)** (वर्तमान मूल्यों पर) 19,89,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 16.7% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 3,79,617 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान से 14% की वृद्धि है। इसके अतिरिक्त राज्य द्वारा 1,57,452 करोड़ रुपए का ऋण चुकाया जाएगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधार को छोड़कर)** 2,94,973 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 12% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **राजस्व घाटा** जीएसडीपी का 1.6% (31,009 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व घाटा जीएसडीपी का 1.9% (31,939 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी का 4.3% (84,644 करोड़ रुपए) रहने का लक्ष्य है। संशोधित अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.1% रहने की उम्मीद है, जो बजट में निर्धारित 3.9% से अधिक है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **युवा और रोजगार**: सरकार युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप प्रदान करने के लिए राजस्थान रोजगार नीति 2025 पेश करेगी। राज्य में काउंसलिंग, नियोक्ता-कर्मचारी संबंध बनाने, परीक्षा केंद्र स्थापित करने और रोजगार मेले आयोजित करने के लिए 500 करोड़ रुपए की लागत से विवेकानंद रोजगार सहायता कोष की स्थापना की जाएगी।
- सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में युवाओं के लिए अतिरिक्त 1.25 लाख पद सृजित किए जाएंगे। गिग वर्कर्स/ऑनलाइन प्लेटफॉर्म वर्कर्स और असंगठित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 350 करोड़ रुपए की लागत से एक नया गिग और असंगठित श्रमिक विकास कोष स्थापित किया जाएगा।
- **स्वास्थ्य**: गर्भवती महिलाओं को पोषण-किट उपलब्ध कराने के लिए 25 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिससे राज्य की करीब 2.35 लाख महिलाओं को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के तहत आंगनवाड़ी के तीन से छह वर्ष की आयु के बच्चों को दूध उपलब्ध कराने पर करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।
- **पोषण एवं कृषि**: मिड-डे मील कार्यक्रम और मां-बाड़ी केंद्रों में पायलट आधार पर बाजरा शामिल किया जाएगा। बाजरा की उपलब्धता और पहुंच को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में बाजरा उत्पाद आउटलेट भी स्थापित किए जाएंगे। राम जल सेतु लिंक परियोजना के तहत 9,300 करोड़ रुपए के काम किए जाएंगे।

सृष्टि सिंह
shrusti@prsindia.org

2 अप्रैल, 2025

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में राजस्थान की जीएसडीपी (स्थिर मूल्यों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 8% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में 2023-24 में भारत की जीडीपी 9.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2024-25 में कृषि, मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्रों का राजस्थान की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 27%, 27% और 46% योगदान होने का अनुमान है (वर्तमान मूल्यों पर)।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में राजस्थान की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (वर्तमान मूल्यों पर) 1,87,454 रुपए होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 11.4% अधिक है। 2023-24 में भारत का प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है।

रेखाचित्र 1: राजस्थान में स्थिर मूल्यों पर जीएसडीपी (2011-12)

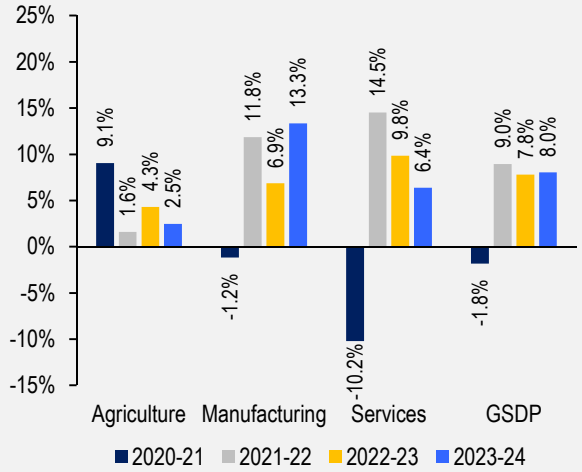

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 3,79,617 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 14% की वृद्धि है। यह व्यय 2,94,973 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारों को छोड़कर)** और 76,036 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा किया जाना प्रस्तावित है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियों (उधारों के अलावा) में 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 12% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है।
- राज्य ने 2025-26 में जीएसडीपी के 1.6% (31,009 करोड़ रुपए) का **राजस्व घाटा** अनुमानित किया है, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी का 1.9% राजस्व घाटा होने का अनुमान है।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी का 4.3% (84,644 करोड़ रुपए) लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 4.1%) से अधिक है।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	4,33,273	4,95,467	4,98,847	1%	5,37,069	8%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	1,63,999	1,60,671	1,65,589	3%	1,57,452	-5%
शुद्ध व्यय (E)	**2,69,275**	**3,34,796**	**3,33,259**	**-0.5%**	**3,79,617**	**14%**
कुल प्राप्तियां	4,25,962	4,86,805	4,91,684	1%	5,28,461	7%
(-) उधारियां	2,22,266	2,22,019	2,28,516	3%	2,33,488	2%
*जिनमें केंद्रीय कैपेक्स ऋण**	8,513	7,800	10,500	-	15,000	-
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**2,03,695**	**2,64,787**	**2,63,168**	**-1%**	**2,94,973**	**12%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**65,580**	**70,009**	**70,091**	**0.1%**	**84,644**	**21%**
जीएसडीपी का %	4.3%	3.9%	4.1%		4.3%	
राजस्व घाटा	**38,955**	**25,758**	**31,939**	**24%**	**31,009**	**-3%**
जीएसडीपी का %	2.6%	1.4%	1.9%		1.6%	
प्राथमिक घाटा	**31,452**	**32,472**	**30,973**	**-5%**	**44,585**	**44%**
जीएसडीपी का %	2.1%	1.8%	1.8%		2.2%	
जीएसडीपी	15,21,510	17,81,078	17,04,339	-4%	19,89,000	16.7%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। *केंद्र सरकार 2020-21 से राज्य सरकारों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रही है। इन ऋणों को राज्य की उधार सीमा की गणना से बाहर रखा गया है। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 3,25,546 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर व्यय शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 53,686 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 40% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर व्यय को दर्शाता है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 384 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 7% कम है।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	2,42,231	2,90,219	2,94,557	1%	3,25,546	11%
पूंजीगत परिव्यय	26,646	44,216	38,288	-13%	53,686	40%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	398	360	413	15%	384	-7%
शुद्ध व्यय	**2,69,275**	**3,34,796**	**3,33,259**	**0%**	**3,79,617**	**14%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में राजस्थान द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 1,57,715 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 54% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 28%), पेंशन (12%), और ब्याज भुगतान (14%) पर खर्च शामिल है। 2023-24 में, वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 62% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	65,399	78,341	76,187	-3%	83,775	10%
पेंशन	27,203	29,017	30,230	4%	33,882	12%
ब्याज भुगतान	34,128	37,538	39,118	4%	40,058	2%
कुल	**1,26,730**	**1,44,895**	**1,45,534**	**0%**	**1,57,715**	**8%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान राज्य के बजटीय व्यय का 71% हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में **राजस्थान** के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: राजस्थान बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %	बजटीय प्रावधान (2025-26)
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	51,220	65,073	63,516	68,369	8%	▪ प्राथमिक शिक्षा के लिए 29,363 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ माध्यमिक शिक्षा के लिए 33,792 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	28,895	30,729	33,051	40,198	22%	▪ बिजली दरों में संशोधन न करने के लिए अनुदान के रूप में 22,819 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	21,273	27,660	27,707	31,888	15%	▪ शहरी स्वास्थ्य सेवाओं-एलोपैथी के लिए 4,336 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं-एलोपैथी के लिए 3,586 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
समाज कल्याण एवं पोषण	18,375	24,060	22,797	26,639	17%	▪ जिला परिषदों और पंचायतों को सहायता के रूप में 16,618 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	12,856	19,610	20,827	24,586	18%	▪ ग्राम पंचायतों को सहायता के रूप में 7,566 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के लिए 6,053 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	12,481	13,436	13,665	18,909	38%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 14,016 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	8,876	16,918	14,641	16,811	15%	▪ नगर पालिकाओं और नगर निगमों को सहायता के रूप में 5,506 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ शहरी विकास प्राधिकरणों और नगर विकास बोर्ड्स को सहायता के रूप में 3,592 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	11,837	14,544	14,036	16,558	18%	▪ फसल पालन के लिए 6,609 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ पशुपालन के लिए 3,618 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	7,820	11,270	11,544	13,559	17%	▪ ग्रामीण जलापूर्ति के लिए 5,197 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ शहरी जलापूर्ति के लिए 5,926 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

पुलिस	8,515	10,203	10,112	11,125	10%	▪ जिला पुलिस के लिए 7,880 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों पर कुल व्यय का %	**68%**	**70%**	**70%**	**71%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए कुल राजस्व प्राप्तियां 2,94,536 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 12% अधिक है। इसमें से 1,69,626 करोड़ रुपए (58%) राज्य **अपने संसाधनों से जुटाएगा** और 1,24,919 करोड़ रुपए (42%) केंद्र से प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से (राजस्व प्राप्तियों का 29%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 13%) के रूप में होंगे।
- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा 85,716 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में केंद्र से अनुदान 39,193 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 4% अधिक है।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: राजस्थान का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 1,42,743 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 18% अधिक है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 7.2% अनुमानित है, जो 2024-25 (7.1%) के संशोधित अनुमानों से थोड़ा अधिक है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 6.2% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	94,086	1,25,525	1,20,478	-4%	1,42,743	18%
राज्य के स्वयं गैर कर	18,680	22,665	26,917	19%	26,883	0%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	68,063	79,587	77,548	-3%	85,716	11%
केंद्र से सहायतानुदान	22,448	36,684	37,675	3%	39,193	4%
राजस्व प्राप्तियां	**2,03,276**	**2,64,461**	**2,62,618**	**-1%**	**2,94,536**	**12%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	419	326	549	69%	436	-21%
शुद्ध प्राप्तियां	**2,03,695**	**2,64,787**	**2,63,168**	**-0.6%**	**2,94,973**	**12%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** के स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (45% हिस्सा) होने का अनुमान है। 2024-25 के संशोधित अनुमानों की तुलना में राज्य जीएसटी राजस्व में 22% की वृद्धि का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण की तुलना में 14% अधिक होने की उम्मीद है।
- 2025-26 में राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 16% अधिक होने का अनुमान है।

अलौह खनन और धातुकर्म उद्योगों से गैर-कर राजस्व

2025-26 में राजस्थान को अलौह खनन और धातुकर्म (मेटेलर्जिकल) उद्योगों से 12,980 करोड़ रुपए का गैर-कर राजस्व मिलने का अनुमान है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमान से 18% अधिक है। अलौह खनन से होने वाला राजस्व, गैर-कर स्रोतों से होने वाले कुल राजस्व का 48% है।

जुलाई 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने पहले के एक फैसले को पलट दिया और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने के राज्यों के अधिकार को बरकरार रखा। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद राज्यों को खनन कार्यों पर शुल्क लगाने से लाभ होगा। इसके अतिरिक्त राज्य पूर्वव्यापी मांगों से भी राजस्व उत्पन्न कर सकते हैं।

स्रोत: राजस्थान बजट दस्तावेज 2025-26; सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय; पीआरएस।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	38,016	55,800	52,100	-7%	63,600	22%
सेल्स टैक्स/वैट	23,473	29,000	27,000	-7%	30,780	14%
राज्य उत्पाद शुल्क	13,225	17,100	17,000	-1%	19,720	16%
वाहन कर	6,704	8,100	8,500	5%	9,860	16%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	9,181	11,000	11,900	8%	14,350	21%
भूराजस्व	469	721	776	8%	881	14%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	2,918	3,500	3,100	-11%	3,500	13%

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

राजस्थान के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2005 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व घाटा: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट में 2025-26 में 31,009 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 1.6%) का राजस्व घाटा अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.3% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में कुछ सुधार करने के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी।

संशोधित अनुमान के अनुसार, 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.1% रहने का अनुमान है। यह जीएसडीपी के 3.9% के बजट अनुमान से अधिक है।

घाटे में चल रही बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम)

राजस्थान में बिजली वितरण का काम तीन राज्य डिस्कॉम द्वारा किया जाता है। इन तीनों डिस्कॉम ने 2022-23 में 2,024 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया, जबकि 2021-22 में 2,374 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। नवंबर 2015 में राज्य डिस्कॉम के वित्तीय सुधार के लिए उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) शुरू की गई थी। योजना के लागू होने के बाद डिस्कॉम ने 2021-22 और 2017-18 से 2019-20 के बीच मुनाफा दर्ज किया। हालांकि, कैग (2024) ने पाया कि यह मुनाफा उदय योजना के तहत ऋण को राजस्व सबसिडी में बदलने के कारण था।

इसके अतिरिक्त मार्च 2023 तक राज्य डिस्कॉम पर कुल 79,611 करोड़ रुपए का बकाया कर्ज था। यह 2020-21 में राज्य की जीएसडीपी का 5.9% था। कैग ने पाया कि उदय योजना (2015-20) के कार्यान्वयन के दौरान डिस्कॉम का बकाया कर्ज कम हुआ था। 2019-20 में बकाया कर्ज राज्य की जीएसडीपी का 4.9% था। हालांकि, नए कर्ज जुटाने के कारण 2019-20 से डिस्कॉम का कर्ज बोझ बढ़ रहा है। 2022-23 में राज्य का बकाया कर्ज 2021-22 की तुलना में 21% बढ़ गया।

स्रोत: भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट (2024); बिजली वित्त निगम की विभिन्न वर्षों की रिपोर्ट; पीआरएस।

बकाया ऋण: बकाया ऋण एक वित्तीय वर्ष के अंत में कुल उधार का संचय होता है। 2025-26 के अंत में बकाया ऋण जीएसडीपी का 36.5% होने का अनुमान है जो 2024-25 के बजट अनुमान (जीएसडीपी का 37.7%) से कम है।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)

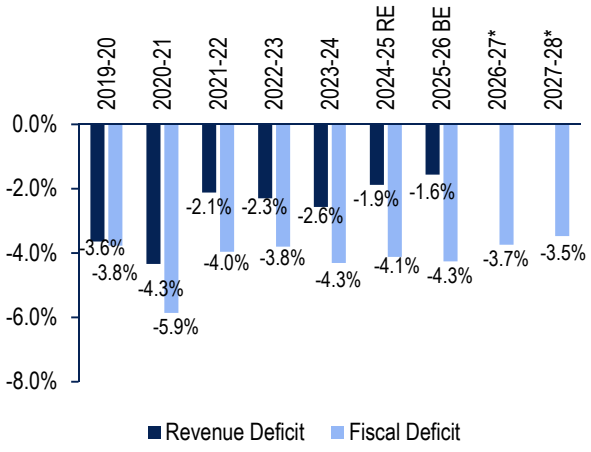

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया ऋण (जीएसडीपी का %)

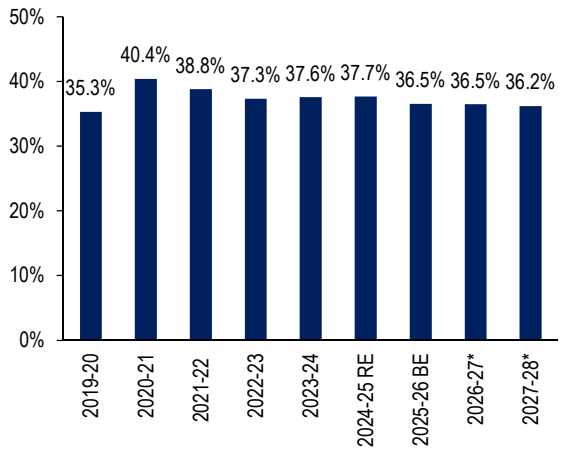

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, राजस्थान बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों के बकाया ऋण में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक प्रकृति की हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में चुकाना पड़ सकता है। राज्य सरकारें वित्तीय संस्थाओं से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के उधार की गारंटी देती हैं। 31 दिसंबर, 2024 तक राज्य की बकाया गारंटी 1,19,563 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2024-25 में राजस्थान की जीएसडीपी का 7% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में राजस्थान के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (राजस्थान सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: राजस्थान ने 2025-26 में अपने व्यय का 18% शिक्षा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से अधिक है।
- **स्वास्थ्य**: राजस्थान ने 2025-26 में अपने व्यय का 8.4% स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: राजस्थान ने 2025-26 में अपने व्यय का 6.5% ग्रामीण विकास के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से अधिक है।
- **ऊर्जा**: राजस्थान ने 2025-26 में अपने व्यय का 10.6% ऊर्जा के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा ऊर्जा के लिए औसत आवंटन (5%) से अधिक है।
- **कृषि**: राजस्थान ने 2025-26 में अपने व्यय का 4.4% कृषि के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (6.3%) से कम है।
- **सिंचाई**: राजस्थान ने 2025-26 में अपने व्यय का 2.9% सिंचाई के लिए आवंटित किया है। यह 2024-25 में विभिन्न राज्यों द्वारा सिंचाई के लिए औसत आवंटन (3.4%) से कम है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

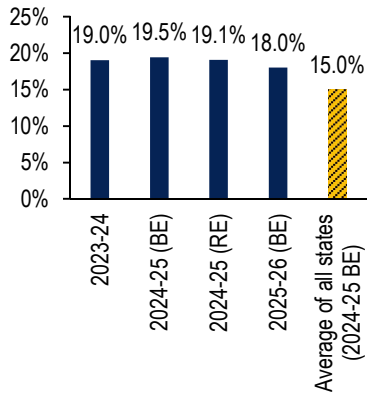

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

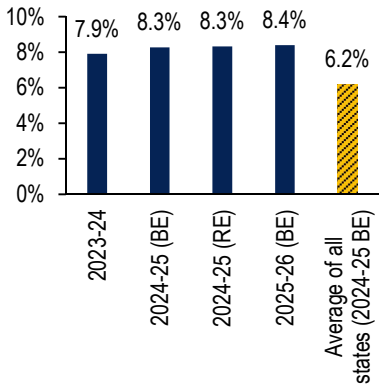

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

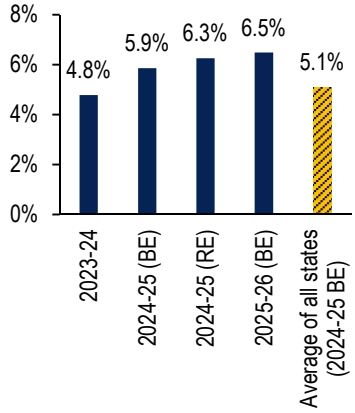

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

कुल बजट में ऊर्जा पर व्यय का प्रतिशत

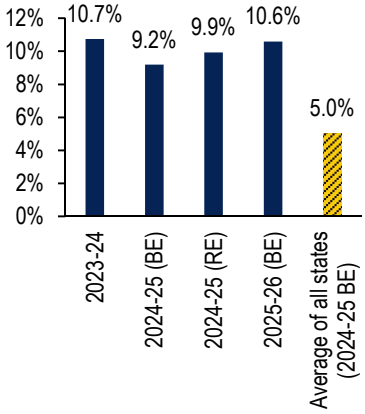

कुल बजट में कृषि पर व्यय का प्रतिशत

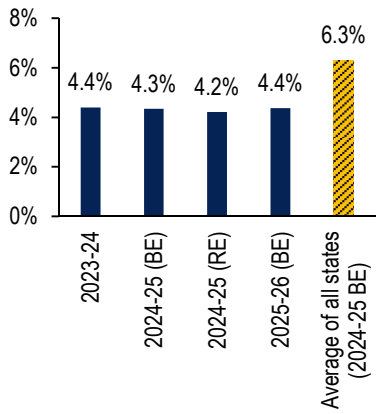

कुल बजट में सिंचाई पर व्यय का प्रतिशत

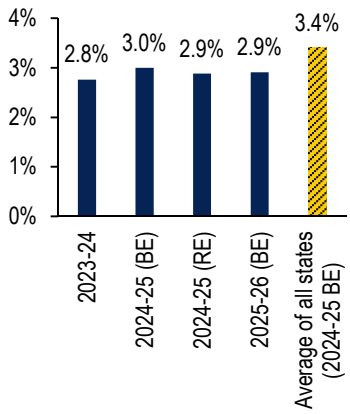

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े राजस्थान के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, राजस्थान बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**2,34,319**	**2,03,695**	**-13%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	2,33,988	2,03,276	-13%
क. स्वयं कर राजस्व	1,14,169	94,086	-18%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	24,285	18,680	-23%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	61,552	68,063	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	33,982	22,448	-34%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	331	419	27%
3. उधारियां	1,48,355	2,22,266	50%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**2,97,091**	**2,69,275**	**-9%**
4. राजस्व व्यय	2,58,884	2,42,231	-6%
5. पूंजीगत परिव्यय	38,061	26,646	-30%
6. ऋण और अग्रिम	146	398	173%
7. ऋण पुनर्भुगतान	93,766	1,63,999	75%
राजस्व संतुलन	**24,896**	**38,955**	**56%**
राजस्व संतुलन (जीएसडीपी का %)	1.58%	2.6%	
राजकोषीय घाटा	**62,772**	**65,580**	**4%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	3.98%	4.3%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के राजस्थान बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भूराजस्व	636	469	-26%
राज्य जीएसटी	48,946	38,016	-22%
राज्य उत्पाद शुल्क	17,000	13,225	-22%
सेल्स टैक्स/वैट	27,300	23,473	-14%
वाहन कर	7,700	6,704	-13%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	3,126	2,918	-7%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	9,150	9,181	0%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के राजस्थान बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
आवास	220	122	-45%
ग्रामीण विकास	20,418	12,856	-37%
शहरी विकास	14,040	8,876	-37%
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण	3,101	1,969	-36%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	9,773	7,820	-20%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	9,000	7,340	-18%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	57,953	51,220	-12%
समाज कल्याण एवं पोषण	20,318	18,375	-10%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	12,864	11,837	-8%
पुलिस	9,030	8,515	-6%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	22,064	21,273	-4%
परिवहन	11,412	12,481	9%
जिनमें से सड़कें और पुल	10,567	11,026	4%
ऊर्जा	26,371	28,895	10%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के राजस्थान बजट दस्तावेज; पीआरएस।